नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 288
दि. 19.02.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

यूपी: भागवत से सीएम योगी की मुलाकात ने बढ़ाई सियासी सरगर्मी, करीब 35 मिनट तक दोनों के बीच हुई गुफ्तगू

लखनऊ, (जीएनएस)। संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी में हैं। बुधवार को उनके प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई।

प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार और संगठन में फेरबदल होने की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह मोहन भागवत से हुई मुलाकात ने सियासी सरगर्मी बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री बुधवार को रात आठ बजे संघ प्रमुख से मिले राजधानी के निराला नगर स्थित संघ कार्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचे। एकांत में दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई। हालांकि इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है।

संघ प्रमुख दो दिवसीय प्रवास पर राजधानी में हैं। बुधवार को उनके

प्रवास का अंतिम दिन था। सीएम की भागवत से मुलाकात निहायत ही एकांत में बंद कमरे में हुई। मौजूदा समय में प्रदेश की सियासत के स्तर पर होने वाले बदलाव को देखते हुए इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दोनों के बीच मुलाकात को भले ही शिष्टाचार बताया जा रहा है किस लेकिन योगी की बार-बार संघ प्रमुख से होने वाली मुलाकातों को लेकर अटकलों का बाजार गरम है।

सूत्रों का कहना है कि इधर बीच जिस तरह से संघ प्रमुख का फोकस यूपी को लेकर दिख रहा है और वह किसी न किसी कार्यक्रम के बहाने यूपी आ रहे हैं। उससे साफ है कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का ताना-बाना बुनने में संघ परिवार की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। वह जब भी यूपी के दौरे पर होते हैं, सीएम योगी की मुलाकात भी होती रही है।

यूपी में अगले साल विधानसभा का चुनाव होने वाला है। इस लिहाज से भी सरकार और संघ के मुखिया की मुलाकात अहम है।

इससे पहले अयोध्या में हुई थी 90 मिनट मुलाकात

बता दें कि इससे पहले सीएम और संघ प्रमुख की अयोध्या में उस वक्त मुलाकात हुई थी, जब श्रीराम मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को धर्मध्वजा समारोह हुआ था, लेकिन सीएम की संघ प्रमुख की मुलाकात अगले दिन 26 नवंबर को हुई थी। इस मुलाकात में दोनों के बीच करीब 90 मिनट बातचीत हुई थी। 2024 में लोकसभा चुनाव परिणाम आने के बाद भी सीएम योगी की भागवत से गोरखपुर में मुलाकात हुई थी।

नाबालिग से छेड़छाड़ रेप की कोशिश' सुप्रीमकोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का विवादित आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने रेप के मामले में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस विवादित फैसले को पलट दिया जिसमें कहा गया था कि नाबालिग लड़की के साथ हुई बदसलूकी को बलात्कार का प्रयास नहीं माना गया था।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद HC के उस तर्क को खारिज कर दिया है जिसमें आरोपी के कृत्य को केवल प्रिप्रेशन के स्तर पर माना गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब इरादा में बदल जाता है, तो वह प्रयास की श्रेणी में आता है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि हाईकोर्ट ने गंभीर अपराध को हल्का कर गलत कानूनी दृष्टिकोण अपनाया और रेप के प्रयास जैसे गंभीर आरोपों को अनुचित तरीके से कमतर अपराध में बदल दिया।

क्या था इलाहाबाद हाई कोर्ट का फैसला?

दरअसल, मार्च 2025 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि नाबालिग लड़की के स्तनों को पकड़ना और उसे पुलिया के नीचे घसीटना बलात्कार का प्रयास नहीं है। अदालत का तर्क था कि आरोपी ने केवल तैयारी की थी और वह बलात्कार करने के चरण तक नहीं पहुंचा था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि आरोपी द्वारा नाबालिग लड़की को पकड़ना, उसके स्तन दबाना और उसे पुलिया के नीचे खींचना, रेप का प्रयास नहीं बल्कि केवल उसकी तैयारी मानी जाएगी। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने आरोपी पर लगे क्हउ की धारा 376/511 (रेप का प्रयास) और ढडउरड एक्ट की धारा 18 के आरोपों को हटाकर कम गंभीर धाराओं में बदल दिया था। इस फैसले को लेकर देशभर में तीखी आलोचना हुई थी। इसे महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों के प्रति न्यायिक असंवेदनशीलता का उदाहरण बताया गया था।

सुओ मोटो कार्रवाई कैसे शुरू हुई?

यह पूरा मामला तब सुप्रीम कोर्ट

पहुंचा जब वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता जो 'We the Women of India NGO' की संस्थापक ने तत्कालीन उखक को पत्र लिखकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को कानूनी रूप से गलत और अमानवीय बताया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने पहले हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर रोक लगाई और दिसंबर 2025 में पूरे फैसले पर स्टे लगाया और अब उसे पूरी तरह रद्द कर दिया।

फैसला पलटते हुए क्या कहा?

सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के इस फैसले को पूरी तरह गलत बताया। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन. वी. अंजारिया ने कहा कि हाईकोर्ट ने तैयारी और प्रयास के बीच के अंतर को पूरी तरह गलत तरीके से समझा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपों को देखने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है कि आरोपी केवल तैयारी नहीं कर रहा था बल्कि उसने अपने इरादे को अंजाम देना शुरू कर दिया था।

आरोपी पीड़िता को घर छोड़ने के बहाने मोटरसाइकिल पर ले गया, पुलिया के पास रोका, उसे घसीटा और यौन हमले किए। वह केवल तभी भागा जब पीड़िता की चीख सुनकर राहगीर वहां पहुंचे। सुप्रीम कोर्ट ने आईपीसी की धारा 376/511 और पोक्सो (POCSO) एक्ट की धारा 18 के तहत बलात्कार के प्रयास के मूल आरोपों को बहाल कर दिया है।

न्यायिक संवेदनशीलता के लिए नई गाइडलाइन्स का निर्देश

अदालत ने केवल कानूनी गलती को ही नहीं सुधारा, बल्कि यौन अपराधों के मामलों में न्यायपालिका की संवेदनहीनता पर भी गहरी चिंता जताई। विशेष समिति का गठन करने का आदेश देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल स्थित नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी (NJA) से अनुरोध किया है कि वह पूर्व न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय विशेषज्ञों की समिति बनाए। यह समिति यौन अपराधों और संवेदनशील मामलों में न्यायाधीशों और न्यायिक प्रक्रियाओं में करुणा और सहानुभूति विकसित करने के लिए व्यापक दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

कोर्ट को 'हार्डवर्ड' नहीं, भारतीय भाषा के इस्तेमाल की जरूरत

CJI सूर्यकांत ने निर्देश दिया कि नए दिशा-निर्देश सरल और सुलभ भाषा में होने चाहिए। उन्होंने पिछले 'जेंडर स्टीरियोटाइप हैंडबुक (2023)' की आलोचना करते हुए कहा कि वह बहुत अधिक हार्वर्ड वाली भाषा और टेक्निकल थी। अदालत चाहती है कि नए नियम ऐसे हों जिन्हें आम आदमी और विशेषकर बच्चे व पीड़ित आसानी से समझ सकें।

श्रीनगर हाईवे पर सुरक्षा बलों ने नाकाम की बड़ी आतंकी साजिश

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने बुधवार की सुबह एक बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम किया। जांच एजेंसी श्रीनगर-बारामूला नेशनल हाईवे पर सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील नारबल इलाके के पास रिंग रोड पर संदिग्ध ब्रीफकेस मिलने से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। जहां विस्फोटक की मौजूदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी थी। ताजा अपडेट के अनुसार, नियमित गश्त के दौरान सुबह करीब 7:00 बजे सड़क किनारे एक लावारिस ब्रीफकेस देखा गया। इसकी संदिग्ध स्थिति को देखते हुए तुरंत 'आईईडी प्रोटोकॉल' लागू किया गया। सुरक्षा बलों ने बिना समय गंवाए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और हाईवे पर यातायात को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

सूटकेस के अंदर क्या मिला? जानकारी मिलते ही बम निरोधक दस्ता और 29 राष्ट्रीय राइफल्स की टीम मौके पर पहुंच गई। जांच में पुष्टि हुई कि सूटकेस के अंदर आईईडी प्लांट किया गया था। सुरक्षा बलों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए इलाके को पूरी तरह सैनिटाइज किया और एक नियंत्रित विस्फोट के जरिए आईईडी को सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। गनीमत रही कि इस कार्रवाई में किसी भी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। सर्च ऑपरेशन जारी विस्फोटक को नष्ट करने के बाद हाईवे पर यातायात को दोबारा बहाल कर दिया गया है।

हालांकि, सुरक्षा एजेंसियां अब इस बात की जांच कर रही हैं कि इस साजिश के पीछे किस आतंकी संगठन का हाथ है। हाजीवाड़ा पायीन और कुपवाड़ा के आसपास के क्षेत्रों में भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और संदिग्धों की तलाश के लिए गहन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 फरवरी को इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन करेंगे

समिट की थीम है: सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, अर्थात् सभी का कल्याण, सभी की प्रसन्नता

समिट के तीन प्रमुख स्तंभ हैं: मनुष्य, पृथ्वी और प्रगति

प्रतिभागियों में 500 से अधिक वैश्विक एआई अग्रणी व्यक्ति, 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार प्रमुख तथा लगभग 60 मंत्री और उपमंत्री शामिल

प्रधानमंत्री इन अग्रणी व्यक्तियों के पूर्ण सत्र और सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे

प्रधानमंत्री अन्य वैश्विक नेताओं के साथ इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में कंट्री पवेलियन का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री 18 फरवरी को शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं का स्वागत करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 19 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का दौरा करेंगे और इसका उद्घाटन करेंगे। इससे पहले, 18

फरवरी को शाम लगभग 7 बजे, प्रधानमंत्री भारत मंडपम में समिट में भाग लेने वाले विभिन्न देशों के नेताओं का स्वागत करेंगे। इस दौरान, प्रधानमंत्री समिट में शामिल होने वाले कई वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

प्रधानमंत्री 19 फरवरी को सुबह लगभग 9:40 बजे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री के साथ-साथ फ्रांस के राष्ट्रपति, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव और विश्व भर के विभिन्न शीर्ष उद्योगपति भी उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे।

इसके बाद वे अन्य नेताओं के साथ सुबह लगभग 11 बजे इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का दौरा करेंगे, जहां वे विभिन्न देशों के पवेलियन का अवलोकन करेंगे।

प्रधानमंत्री इसके बाद, दोपहर लगभग 12 बजे से आरंभ होने वाले नेताओं के पूर्ण सत्र में भाग लेंगे। इसमें राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री और बहुपक्षीय संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि एक साथ मिलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर राष्ट्रीय और वैश्विक प्राथमिकताओं की रूपरेखा तैयार करेंगे, जिसमें शासन, अवसंरचना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग शामिल हैं।

प्रधानमंत्री इसके बाद, शाम 5:30 बजे से सीईओ गोलमेज सम्मेलन में भाग लेंगे। इसमें वैश्विक प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत की कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी सरकारी नेतृत्व के साथ मिलकर निवेश, अनुसंधान सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला और एआई प्रणालियों की तैनाती पर चर्चा करेंगे।

राज ठाकरे ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मुलाकात, बड़ा सवाल कि महाराष्ट्र में क्या होने वाला है बड़ा खेला?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र की राजनीति हमेशा चौंकाती रही है। राजनीतिक गलियारों से एक बड़ी खबर सामने आ रही है, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की है। यह मुलाकात शिंदे के सरकारी आवास, नंदनवन बंगले पर हुई, जहाँ शिंदे ने ठाकरे का सत्कार किया। इस बैठक ने राज्य की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दिया है।

याद रहे मुंबई महानगरपालिका चुनावों के बाद यह राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे की पहली औपचारिक मुलाकात है, जिसने इस बैठक को विशेष महत्व दिया है। चुनावों के दौरान दोनों दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था।

गौरतलब है कि राज ठाकरे इस समय अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन में हैं, जबकि उद्धव की शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे के बीच गहरी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता है मुंबई महानगरपालिका चुनाव अभियानों के दौरान, राज ठाकरे ने महायुति सरकार पर तीखे हमले किए थे।

मनसे ने इस चुनाव में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के साथ गठबंधन किया था, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी। वहीं ठाकरे की शिंदे से मुलाकात ने राजनीतिक पर्यवेक्षकों को चौंका दिया है।

राज ठाकरे और एकनाथ शिंदे की पहले कब हुई थी मुलाकात?

कल्याण-डोंबिवली में महापौर चुनाव के बाद भी यह भेंट हुई। वहाँ एक नई राजनीतिक तस्वीर उभरी थी, जब राज ठाकरे की मनसे के स्थानीय नेताओं

ने शिंदे गुट को महापौर पद के लिए समर्थन देकर सबको चौंका दिया। मनसे पार्षदों के समर्थन से शिंदे गुट का महापौर निर्वाचित हुआ। इस पर उद्धव ठाकरे की पार्टी (यूबीटी) भड़क उठी थी; उसने मनसे के स्थानीय पार्षदों के फैसले पर सवाल भी उठाए थे और इससे पहले अप्रैल 2025 में एकनाथ शिंदे ने राज ठाकरे से मुलाकात की थी। तब शिंदे ठाकरे के आवास पर गए थे और दोनों ने साथ में रात्रिभोज भी किया था।

इस मुलाकात के बाद से राजनीतिक गलियारों में गरमागरम बहस छिड़ गई है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या यह भविष्य की किसी बड़ी राजनीतिक हलचल का संकेत है, या महाराष्ट्र में किसी नए राजनीतिक समीकरण की शुरूआत होने वाली है? शिंदे ने पहले भी ठाकरे से कई बार मुलाकात की है, लेकिन यह बैठक चुनाव के बाद की पहली होने के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस मुलाकात ने मनसे और शिंदे गुट की शिवसेना के बीच संभावित राजनीतिक गठजोड़ की अटकलों को फिर से गरमा दिया है।

अमेरिकी डर या सोची-समझी चाल? वो 5 कारण, ईरानी राष्ट्रपति ने क्यों कहा- हमें परमाणु नहीं चाहिए

(जीएनएस)।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन का हालिया बयान अंतरराष्ट्रीय गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। उन्होंने बड़े ही सीधे और कुछ हद तक हताश लहजे में दुनिया से पूछा, हम किस भाषा में कहें कि हमें परमाणु बम नहीं चाहिए? यह बयान ऐसे संवेदनशील समय में आया है जब मध्य-पूर्व में बारूद की गंध तेज हो गई है।

पिछले 24 घंटों में अमेरिका ने क्षेत्र में 50 से ज्यादा आधुनिक फाइटर जेट्स और एयर रिफ्यूलिंग टैंकर्स तैनात कर दिए हैं, जो एक लंबी जंग की तैयारी का साफ संकेत देते हैं। एक तरफ जिनेवा में परमाणु कार्यक्रम को लेकर 'सकारात्मक' बातचीत का दावा किया जा रहा है, तो दूसरी तरफ आसमान में गरजते युद्धक विमान ईरान पर दबाव बनाने की 'कैरेट एंड स्टिक' नीति का हिस्सा हैं।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने जिनेवा में अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष बातचीत के बीच एक बहुत ही भावुक और सीधा

बयान दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की शंकाओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा, 'हम किस भाषा में कहें कि हमें परमाणु हथियार नहीं चाहिए, और हम कभी इन्हें नहीं चाहेंगे? अगर दुनिया वास्तव में यह चाहती है कि ईरान के पास न्यूक्लियर वेपन न हों, तो हम उनके किसी भी तरह के 'वेरिफिकेशन' (जांच) के लिए पूरी तरह तैयार हैं।'

पेजेशकियन ने स्पष्ट किया कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और नागरिक उद्देश्यों (चिकित्सा और तकनीक) के लिए है। उन्होंने इसे एक "राजनीतिक प्रोपेगेंडा" करार दिया कि ईरान बम बनाना चाहता है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (क्ष्अए) के निरीक्षकों को अपने परमाणु केंद्रों की जांच करने की अनुमति देने में कोई संकोच नहीं करेंगे, ताकि दुनिया को उनकी ईमानदारी पर भरोसा हो सके।

राष्ट्रपति पेजेशकियन के बयान के 5 प्रमुख कारण

आर्थिक प्रतिबंधों से मुक्ति की छटपटाहटः ईरान की अर्थव्यवस्था पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण वेंटिलेटर पर है। मुद्रास्फीति और बेरोजगारी ने जनता में भारी असंतोष पैदा कर दिया है। पेजेशकियन जानते हैं कि जब तक परमाणु मुद्दे पर दुनिया को भरोसा नहीं दिलाया जाता, तब तक तेल के व्यापार पर लगी पाबंदियां नहीं हटेंगी।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

एलडीए का अवैध निमार्णों पर कड़ा प्रहार, अमीनाबाद और हुसैनगंज में दो परिसर सील

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी में अवैध और अनधिकृत निमार्णों के विरुद्ध लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) का अभियान निरंतर जारी है। इसी क्रम में आज, 18 फरवरी 2026 को प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने शहर के दो प्रमुख क्षेत्रों हुसैनगंज और अमीनाबाद में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से निर्मित किए जा रहे परिसरों को पूरी तरह सील कर दिया।

प्राधिकरण के विहित प्राधिकारी द्वारा 24 जनवरी 2024 को जारी सीलिंग आदेशों के अनुपालन में, आज हुसैनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिहारी लाल मार्ग, क्ले स्क्वायर पर बड़ी कार्रवाई की गई। यहाँ श्री विक्की व अन्य द्वारा किए जा रहे अवैध अनाधिकृत निर्माण को प्रवर्तन टीम ने पुलिस बल के सहयोग से सील कर दिया।

वहीं दूसरी ओर अमीनाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत गौतम बुद्ध मार्ग विद्यांत कॉलेज के पास स्थित भूखंड संख्या-39 पर भी प्राधिकरण की टीम ने छापेमारी की। यहाँ श्री फैजान व अन्य द्वारा नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे निर्माण कार्य पर रोक लगाते हुए परिसर को कुर्क सील कर दिया गया।

यह पूरी कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-28(क) के अंतर्गत की गई। इस अभियान का नेतृत्व सहायक अभियंता प्रवर्तन जोन-6, सतीश यादव ने किया। कार्रवाई के दौरान अवर अभियंता सुनील कुमार और सहायक अभियंता समेत प्राधिकरण का भारी पुलिस बल और स्टाफ मौके पर मौजूद रहा, ताकि किसी भी प्रकार के विरोध की स्थिति से निपटा जा सके।

एलडीए अधिकारियों के अनुसार शहर में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए या स्वीकृत मानचित्र के विपरीत किए जा रहे किसी भी निर्माण को बख्शा नहीं जाएगा। आने वाले दिनों में जोन-6 के अन्य अवैध निमार्णों पर भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की योजना है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय समदा में कृषि विज्ञान का पाठ्यक्रम पीछे

(जीएनएस)।

कौशांबी। बच्चों को बेहतर सुविधा और बच्चों को व्यवस्थित ढंग से पढ़ने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पाठ्यक्रमों का मासिक विभाजन किया है अगर देखा जाए तो अप्रैल माह में मृदा, मई माह में भू परिष्करण खाद एवं उर्वरक ,जून महीने में ग्रीष्म अवकाश ,जुलाई महीने में सिंचाई ,अगस्त माह में फसलों की सुरक्षा बीज, सितंबर माह में मुख्य फसलों की खेती ,अक्टूबर माह में मुख्य फसलों की खेती और पुनरावृति,नवंबर माह में बाग लगाना, दिसंबर माह में फसलों की खेती, जनवरी माह में फल परीक्षण, फरवरी माह में प्राकृतिक आपदाएं पुनरावृत्ति एवं प्रायोगिक कार्य और मार्च महीने में वार्षिक परीक्षा ऐसे करके उत्तर प्रदेश सरकार ने मासिक विभाजन किया है लेकिन पुनरावृति और प्रायोगिक कार्य को छोड़ दो अभी अक्टूबर माह का मुख्य फसलों की खेती पढ़ाया जा रहा है। ऐसा क्यों?

मा.अध्यक्ष जिला पंचायत ने कृषकों को प्याज बीज,गेंदा बीज, शाकभाजी बीज एवं ड्रैगन फ्रूट पौध का किया वितरण

मा.अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत उद्यान भवन परिसर में 20 कृषकों को प्याज बीज, 17 कृषकों को गेंदा बीज, 42 कृषकों को शाकभाजी बीज एवं 7 कृषकों को ड्रैगन फ्रूट पौध का वितरण किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने कृषकों से अपील की कि सरकार द्वारा दिए जा रहे उच्च गुणवत्ता युक्त शंकर बीजों एवं पौधों को समय से अपने-अपने प्रक्षेत्रों पर बुवाई करते हुए अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।

इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र एवं उद्यान निरीक्षक प्रमोद कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रमजान के पाक महीने के लिए रोजेदरों, जरूरतमंदों को राहत

पीस एजुकेशन चार्टर्ड ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक और सलाहकार जनाब खालिद इस्लाम साहब के सहयोग से रमजान के पाक महीने में रोजेदारों और जरूरतमंदों को रमजान किट का वितरण किया गया। जरूरतमंद लोगों ने आकर किट प्राप्त की, जिससे उन्हें रमजान के महीने में राहत मिली।

इस अवसर पर ट्रस्ट ने खालिद इस्लाम साहब को उनके इस नेक काम के लिए बहुत-बहुत मुबारकबाद दी गई। ट्रस्ट के इस प्रयास से जरूरतमंदों को मदद मिली और उन्हें रमजान के महीने में सहारा मिला।

इस वितरण कार्यक्रम में जरूरतमंदों को रमजान किट प्रदान की गई, जिसमें आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं। इस मौके पर ट्रस्ट के सदर मुर्तजा अली, अमीर किदवई, तंजीम अप्सर जाफरी साहब,ओसामा रावत साहब, हलीमा अजीम,नईम,महफूज अहमद साहब, अहमद अंसारी साहब, बाकी सारे लोगों का जोड़ दीजिएऔर कई सम्मानित व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया

स्वास्थ्य विभाग द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में टी.बी./कैंसर स्क्रीनिंग कैम्प एवं मेडिकल कैम्प लगाया गया।

(जीएनएस)। मेडिकल कैम्प में कलेक्ट्रेट के अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही फरियादियों/आमजन का ब्लड प्रेशर, डायबिटीज एवं हीमोग्लोबिन आदि का चेक-अप किया गया एवं दवा का वितरण भी किया गया। कुल 110 लोगों का स्वास्थ्य चेकअप किया गया।

प्रधानाचार्य, स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय डॉ. हरिओम सिंह ने हृदयसेतु पर जन-जागरूकता के दृष्टिगत उपस्थित लोगों को बताया कि हार्ट अटैक के मरीजों को त्वरित और निःशुल्क उपचार प्रदान करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानाचार्य के बताया कि यदि किसी को हार्ट अटैक के प्रारम्भिक लक्षण जैसेः- छाती के बीच में तेज दर्द, भारीपन या जकड़न, सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, और दर्द का बांहों, गर्दन या जबड़े तक फैलना आते है तो जीवन रक्षक औषधि समय पर लेने से मरीज की जान बचाई जा सकती है, साथ ही प्रधानाचार्य द्वारा यह भी बताया गया कि ऐसे व्यक्ति यदि अस्पताल मे ससमय उपचार हेतु लाये जाते है तो इनका ई.सी.जी. तत्काल करते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज को भेजकर अतिरिक्त चिकित्सीय परामर्श प्राप्त करने के उपरान्त जीवन रक्षक इन्जेक्शन लगाते हुए हब सेन्टर मोती लाल नेहरू प्रयागराज के कार्डियोलॉजिस्ट विभाग मे भेज दिया जाता है।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी अपर जिलाधिकारी ओम प्रकाश, डॉ. संजय कुमार व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज कुमार सहित अन्य उपस्थित रहें।

डीआईजी ने किया थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण

साफ-सफाई, रख-रखाव और नवनिर्माण कार्य की तेजी पर थाना प्रभारी को दी शाबाशी

-चौकीदारों को उपहार किए वितरित

-जनता के साथ मित्रवत व्यवहार रखने पर दिया जोर

मथुरा (जीएनएस)।

डीआईजी आगरा परिक्षेत्र ने थाना हाईवे का गहनता से वार्षिक निरीक्षण करते हुए थाना परिसर का भी निरीक्षण किया। डीआईजी को निरीक्षण में सभी कार्य संतोषजनक मिलने के बाद हाईवे पुलिस ने राहत की सांस ली है। वार्षिक निरीक्षण से पहले सम्पूर्ण थाना परिसर को दुल्हन की सजाकर तैयार कर दिया था। जानकारी के अनुसार डीआईजी आगरा परिक्षेत्र शैलेश पांडेय, थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण करने के लिए पहुंचे। डीआईजी के पहुंचने पर सर्वप्रथम पुलिसकर्मियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सलामी दी। इसके बाद डीआईजी शैलेश पांडेय ने थाना हाईवे का वार्षिक निरीक्षण करते हुए थाना कार्यालय, अभिलेखों, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, मिशन शक्ति केन्द्र, सीसीटीएनएस कक्ष और बैरक की साफ-सफाई का बारीकी से निरीक्षण किया। इसी के साथ उन्होंने लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए शीघ्र उनका निस्तारण करने, अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने, बीट पुलिसिंग को प्रभावी बनाने, हिस्ट्रीशीटरों पर निगरानी रखने के साथ ही संवेदनशील स्थलों पर नियमित गश्त सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी के साथ डीआईजी शैलेश पांडेय ने ग्राम चौकीदारों के साथ बैठक करते हुए उनके क्षेत्र के बारे चर्चा की और चौकीदारों को उपहार वितरित किए।इसीक्रम में उन्होंने निरीक्षण के बाद थाने में तैनात पुलिसकर्मियों के साथ बैठक करते हुए अनुशासन रखने, जनसुनवाई की गुणवत्ता एवं जनता के साथ शालीन व्यवहार बनाए रखने पर विशेष जोर दिया, जिससे की लोगों के बीच पुलिस की छवि बेहतर हो और जनता के लोग पुलिस को अपराधियों की सूचना देने में भी संकोच न करें। इसके बाद डीआईजी श्री पांडेय ने थाना कार्यालय के नवनिर्माण का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में सभी चीजें ठीक पाए जाने पर उन्होंने थाना प्रभारी शैलेन्द्र सिंह की पीठ थपथपाते हुए साफ-सफाई और रख-रखाव की प्रशंसा की। इस मौके पर एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार, सीओ सिटी आईपीएस आशना चौधरी, एएसपी जयविन्द्र गुप्ता, सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान, थाना प्रभारी हाईवे शैलेन्द्र सिंह, थाना प्रभारी रिफाइनरी अजय कौशल, थाना प्रभारी फरह छोटेलाल, थाना हाईवे के इंस्पेक्टर क्राइम प्रमोद कुमार, एसएसआई ओमवीर छौंकर, चौकी प्रभारी तारसी नितिन राठी, चौकी प्रभारी मंडी समिति चन्द्रवीर सिंह, चौकी प्रभारी बालाजीपुरम अंकित तोमर, चौकी प्रभारी राधापुरम एस्टेट रोहन कुचालिया और चौकी प्रभारी सतोहा विनित चौधरी समेत अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें

(जीएनएस)।

जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने नवीन मण्डी समिति, ओसा में आयोजित भव्य मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कुल 115 जोड़े वैवाहिक बंधन में बधें। समारोह में वैदिक मन्त्रोच्चार एवं पारम्परिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह संपन्न कराया गया।

जिलाधिकारी, भाजपा जिलाध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, पूर्व विधायक लाल बहादुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी, सदस्य उ.प्र. अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग जितेन्द्र कुमार एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख जितेन्द्र सोनकर ने नवदम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए ईश्वर से सुखमय, समृद्ध एवं सफल वैवाहिक जीवन की मंगल कॉमना की।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत प्रति जोड़ा एक लाख रूपए का प्राविधान किया गया है। जिसमें 60 हजार कन्या के खाते में हस्तान्तरित किया जाता है, 25 हजार रूपए से घरेलू सामान दिया जाता है एवं 15 हजार रूपए आयोजन पर व्यय किया जाता है। यह योजना आर्थिक रूप से

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी चोरी करने वाले शातिरों को पकड़ा

फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की जीएसटी चोरी कर सरकार को लगातार रहे थे चूना

मथुरा (जीएनएस)। जमुनापार पुलिस और राज्यकर विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करके फर्जी कागजातों से फर्जी फर्म बनाकर वास्तविक माल की बिना आपूर्ति किए बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) पास करने वाले गैंग दबोच लिया। पुलिस और राज्यकर विभाग की टीम ने संगठित होकर आर्थिक अपराध कर रहे चार शातिरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिरों के कब्जे से भारी मात्रा में बैंक चेकबुक समेत पहचान संबंधी कागजात बरामद हैं। प्रथमदृष्टया जांच करने पर पता चला है कि पकड़े गए शातिरों द्वारा भारत सरकार और प्रदेश सरकार को बड़े पैमाने पर राजस्व का चूना लगाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार राज्यकर अधिकारी सुबोध कुमार और जमुनापार पुलिस ने बल्देव रोड़ स्थित रावल गेट के पास से सरकार को चूना लगा रहे चार शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। फर्जी बनाकर सरकार को चूना लगाने वाले शातिरों ने पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर अपने नाम नागेश पुत्र त्रिवेश, करन पुत्र महेश, देव पुत्र अनिल और प्रशांत पुत्र जगदीश बताए हैं। पकड़े गए आरोपी फर्जी फर्मों के नाम पर कागजी लेन-देन दिखाकर बोगस (आईटीसी) का लाभ उठाते हुए सरकार को राजस्व का चूना लगा रहे थे। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से विभिन्न बैंकों की 68 चेकबुक, 41 एटीएम कार्ड, 7 पैन कार्ड, 4 आधार कार्ड, 8 मोबाइल फोन, 3 सिम कार्ड, 3 रेंट एग्रीमेंट, 14 चाबियों का गुच्छा और विभिन्न फर्मों के नाम की 8 मोहर बरामद की हैं। राज्यकर अधिकारियों के मुताबिक पकड़े गए गैंग से जुड़े नेटवर्क और राजस्व क्षति का आंकलन करने के लिए जांच की जा रही है।

स्वॉट टीम और मगोर्रा पुलिस ने दबोचा अन्तर्राज्यीय तस्कर

भारी मात्रा में गांजा की खेप हुई बरामद

मथुरा (जीएनएस)।

थाना मगोर्रा क्षेत्र स्थित कुम्हेर रोड़ से स्वॉट टीम और मगोर्रा पुलिस ने एक अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पकड़े गए तस्कर के कब्जे से भारी मात्रा में गांजा की खेप बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देशन में स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा और थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ अवैध शराब और मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि एक अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर भारी मात्रा में गांजा की खेप लेकर कुम्हेर रोड़ से जाने वाला है। सूचना मिलते ही स्वॉट टीम प्रभारी अजय वर्मा और थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम में एसआई प्रशांत शर्मा, पविन्द्र कमार, एसआई सतीश कुमार, मुख्य आरक्षी विनेश, बालिस्टर सिंह, नवीन कुमार और स्वॉट टीम के मुख्य आरक्षी दुर्विजय सिंह, हरजेंद्र सिंह, अखिल प्रताप सिंह, रमन चौधरी और सुनील कुमार के साथ वहां पहुंच गए। उसी दौरान गांजा की खेप लेकर जा रहा अन्तर्राज्यीय मादक पदार्थ तस्कर सामने पुलिस को देखकर वापस भागने लगा। पुलिस टीम ने भागने का प्रयास कर रहे शातिर तस्कर योगेश कुमार पुत्र बिहारी सिंह निवासी गांव श्योहरा थाना डीग जिला डीग (राजस्थान) को घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर के कब्जे से 28 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर की थी विवाहिता की गला काटकर हत्या

पुलिस ने हत्यारोपी देवर, सबूत मिटाने वाले सास-ससुर और पति को किया गिरफ्तार

मथुरा (जीएनएस)। थाना नौहझील क्षेत्र स्थित गांव बाघई कटैलिया में अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर देवर ने भाभी की गला काटकर हत्या की थी। हत्या करने के बाद शातिर ने अपनी गर्दन पर भी ब्लेड मारकर आत्महत्या करने का नाटक किया था। विवाहिता की हत्या के बाद सास-ससुर और पति ने हत्यारोपी को बचाने और पुलिस को चकमा देने के लिए घर में से सबूतों को मिटाने की पूरी कोशिश की थी। पुलिस ने हत्यारोपी देवर और सबूत मिटाने वाले सास-ससुर और पति को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी नौहझील सोनू सिंह संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद विवाहिता की गला काटकर हत्या करने वाला हत्यारोपी देवर दीपक और सबूतों को मिटाने वाले सास-ससुर तथा पति घर आए हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सोनू सिंह और एसआई विदित कुमार पुलिस टीम के साथ हत्यारोपी के मकान पर पहुंच गए और दबिश देकर हत्यारोपी दीपक पुत्र ज्वाला प्रसाद, मृतका की सास, ससुर ज्वाला प्रसाद पुत्र स्व. गनेसी लाल और मृतका के पति प्रमोद कुमार उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ब्लेड के तीन टुकड़े, रक्तरंजित तकिया, बैडशीट समेत अन्य कपड़े बरामद किए हैं। बताते चलें कि विगत 15 फरवरी की रात्रि में हत्यारोपी देवर दीपक ने भाभी के साथ जबरन अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया था। उस समय विवाहिता ने विरोध करते हुए देवर की शिकायत पति से करने की कही तो हत्यारोपी देवर दीपक ने ब्लेड से अपनी ही भाभी के गले कई प्रहार करके हत्या कर दी थी। विवाहिता की हत्या करने के बाद पुलिस को चकमा देने के लिए हत्यारोपी देवर ने ब्लेड से अपनी गर्दन की खाल काटकर घायल हो गया था। घटना के बाद मृतका के ससुर ज्वाला प्रसाद, पति प्रमोद कुमार उर्फ कालू और सास ने हत्यारोपी

मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे बदमाश को दिल्ली में दबोचा

मथुरा (जीएनएस)। थाना मगोर्रा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहे बदमाश को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थानाध्यक्ष मगोर्रा हरीश चौधरी पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि गैंगस्टर एक्ट में फरार चल रहा एक बदमाश के-3 बंगले के पास साउथ दिल्ली में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष हरीश चौधरी और एसआई अंकित कुमार पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे गैंगस्टर एक्ट के फरार आरोपी दीपक पुत्र जसवंत निवासी नगला रति थाना मगोर्रा को दौड़ाकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

कौशम्बी:यूपी बोर्ड परीक्षा के पहले दिन कौशांबी में बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर

(जीएनएस)। कौशांबी

हाईस्कूल परीक्षा में 'मुन्ना भाई' बनकर दूसरे छात्र की जगह दे रहा था एग्जाम। सचल दल की सघन चेकिंग में प्रवेश पत्र की गड़बड़ी से खुली पोल। श्री छत्रपाल मौर्य इंटरमीडिएट कॉलेज, मीरापुर कड़ा में रंगे हाथों पकड़ा गया आरोपी। पूछताछ में सामने आयाझ दूसरे इंटर कॉलेज के छात्र की जगह बैठा था परीक्षा में। सूचना पर सैनी पुलिस पहुंची, आरोपी को लिया हिरासत में। पूरे नेटवर्क की जांच शुरू, अन्य संदिग्धों की तलाश तेज। एएसपी राजेश कुमार सिंह का बयानझ परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

राष्ट्र निर्माण में त्रीव गति के लिये एआई तकनीक में आगे रहना आवश्यक

एआईं कोईं दुश्मन नहीं है। यदि इसे एक ईमानदार औजार की तरह जैसे जानकारी खोजने, विश्लेषण करने या भाषा सुधारने के लिए आदि के लिए उपयोग किया जाए, तो यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। इंडिया एआईं इम्पैक्ट समिट 2026: नवाचार से राष्ट्र निर्माण तक आज का समय तकनीक का समय है, या यूँ कहें कि हम तकनीक के युग में सांस ले रहे हैं। यह तकनीक ही है, जो मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक बना रही है, लेकिन इसके साथसाथ हमारी सोच, कार्यशैली और आदतें भी आज बदल रही है। कहना गलत नहीं होगा कि वर्तमान दौर में वृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआईं) इस परिवर्तन का सबसे प्रमुख उदाहरण बनकर उभरी है। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच दुनिया भर में आधुनिक तकनीकों के विकास और नवाचार पर विशेष जोर बढ़ा है। आज दुनिया के विभिन्न देश अपनी नीतियों में नईं-नईं तकनीकों व नवाचारों को शामिल कर अपने देश की विभिन्न पारंपरिक कार्यप्रणालियों को लगातार बदल रहे हैं। विशेष रूप से एआईं ने वैश्विक स्तर पर कार्य प्रणाली और मानव भूमिका को गहराईं से प्रभावित किया है, इसलिए आज इसे विकास के लिए अनिवार्य और बहुत ही अहम् माना जा रहा है। इसी संदर्भ में, नईं दिल्ली में एक महत्वपूर्ण एआईं शिखर सम्मेलन(इंडिया एआईं इम्पैक्ट समिट 2026; 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक) आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एआईं की संभावनाओं, इसकी चुनौतियों, रोजगार पर इसका प्रभाव और आम जीवन में इसके उपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाना है। कहना गलत नहीं होगा कि आज एआईं का दायरा स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, कारोबार और रक्षा जैसे क्षेत्रों तक पैल चुका है, जिससे नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन यह भी कटु सत्य है कि रोजगार पर प्रभाव, जोखिम, डेटा सुरक्षा और पर्यावरणीय असर जैसी चिताएँ भी इसके कारण सामने आईं हैं। विशेष रूप से डेटा वेंद्रों में ऊर्जा और पानी की बढ़ती खपत को लेकर प्रश्न उठ रहे हैं। इसलिए एआईं आधारित विकास को सफल बनाने के लिए इसके लाभों के साथ-साथ संभावित खतरों के समाधान पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि नईं दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक इंडिया एआईं इम्पैक्ट समिट 2026 के आयोजन का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह पाँच दिवसीय कार्यांम ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला प्रमुख एआईं शिखर सम्मेलन माना जा रहा है, जिसमें 300 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं और एआईं नीति तथा नवाचार पर विशेष ध्यान वेंद्रित किया गया है। गौरतलब है कि यह समिट भारत मंडपम सहित नईं दिल्ली के विभिन्न स्थलों पर आयोजित हो रही है तथा इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी है, साथ ही शीर्ष तकनीकी वंपनियों जैसे गूगल और माक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी(सीईओ), शोधकर्ता, नीति-निमार्ता और कईं देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि कार्यांम के दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि 800 से अधिक प्रदर्शक, स्टार्टअप, शोध संस्थान और राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल इसमें भाग ले रहे हैं। 16-20 फरवरी तक आयोजित यह एआईं शिखर सम्मेलन भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत वृत्रिम बुद्धिमत्ता(एआइ) के क्षेत्र में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शत्ति के रूप में उभर रहा है, जबकि उससे आगे केवल संयुत्त राज्य अमेरिका और चीन हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के ग्लोबल एआईं वाइब्रेंसी टूल के अनुसार भारत का स्कोर 21.59 है, जबकि अमेरिका का 78.6 और चीन का 36.95 है। इस सूचकांक में भारत कईं विकसित देशों जैसे दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, सिगापुर, जापान, कनाडा, जर्मनी और प्रांस से आगे है। भारत वर्तमान में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथसाथ एआईं के क्षेत्र में अग्रणी विकासशील देश भी बन चुका है। इसलिए इस स्तर का वैश्विक आयोजन पहली बार किसी विकासशील देश में होना ऐतिहासिक माना जा रहा है।

एआई के दौर में मेक इन इंडिया और अमेरिका फर्स्ट, साझा समृद्धि के लिए एक साझेदारी

(जीएनएस)।

बीते एक दशक में भारत विश्व की तीव्र गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभरा है। यह विकास-प्रक्रिया संरचनात्मक सुधारों, राजकोषीय सुदृढ़ीकरण, विनियामक शासन में सुधार तथा डिजिटल एवं वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन देने वाली पहलों से समर्थित रही है, जिन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लागू किया गया। इन उपायों ने व्यापक आर्थिक स्थिरता को सुदृढ़ किया है और भारत की दीर्घकालिक विकास क्षमता का विस्तार किया है।

अनेक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के आकलनों के अनुसार, निरंतर सुधारों की गति और वैश्विक आर्थिक स्थिरता की स्थिति में भारत वर्ष 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की स्थिति में है। नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण भी इस बात पर बल देता है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सतत विकास बनाए रखने में नीतिगत निरंतरता और संस्थागत सुदृढ़ीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

एक सुदृढ़ घरेलू आर्थिक आधार ने भारत को बाह्य आर्थिक सहभागिता को अधिक रणनीतिक स्पष्टता के साथ आगे बढ़ाने की क्षमता प्रदान की है। सामान्यतः आर्थिक कूटनीति तब अधिक प्रभावी होती है जब वह आंतरिक व्यापक आर्थिक स्थिरता और संस्थागत विश्वसनीयता पर आधारित हो। इसी परिप्रेक्ष्य में, भारत ने पिछले पाँच वर्षों में पंद्रह से अधिक मुक्त व्यापार समझौतों (FTA) तथा व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौतों (CEPA) पर हस्ताक्षर किए हैं या वे वार्ता के चरण में हैं। ये समझौते व्यापार विविधीकरण और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण की व्यापक रणनीति को प्रतिबिंबित करते हैं।

इन पहलों में भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच विकसित होता व्यापार ढाँचा द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतिनिधित्व करता है। यह समझौता पिछले वर्ष फरवरी में जारी संयुक्त नेताओं के वक्तव्य में व्यक्त प्रतिबद्धताओं पर आधारित है, जिसमें दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश प्रवाह को विस्तारित करने की मंशा दोहराई थी। घोषित उद्देश्यों में नवाचार तंत्र को सुदृढ़ करना, लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएँ विकसित करना, राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को प्रोत्साहित करना तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देना शामिल था।

यद्यपि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता अभी अंतिम रूप लेने की प्रक्रिया में है, इसकी प्रारंभिक संरचना से संकेत मिलता है कि यह दीर्घकालिक व्यापारिक विवादों को सुलझाने और द्विपक्षीय वाणिज्य में पूवार्नुमेयता बहाल करने का प्रयास है। इस समझौते को दोनों लोकतांत्रिक देशों के व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के संदर्भ में समझा जाना चाहिए, जहाँ आर्थिक सहयोग तकनीकी, भू-राजनीतिक और सुरक्षा आयामों से भी जुड़ता जा रहा है।

इस समझौते का एक प्रमुख घटक टैरिफ युक्तिकरण और पारस्परिक बाजार पहुंच में संशोधन है। वर्ष 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लगभग 86.35 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर इस पुनर्संरचना का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है। पूर्व में कुछ श्रेणियों के भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जाता था। संशोधित व्यवस्था के अंतर्गत 30.94 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, जबकि 10.03 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को शून्य-शुल्क श्रेणी में स्थानांतरित किया गया है।

अतिरिक्त प्रावधानों के अंतर्गत 1.04 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात-जो मुख्यतः कृषि उत्पाद हैं-पर स्थापित छूट श्रेणियों के तहत शून्य पारस्परिक शुल्क जारी रहेगा। साथ ही, धारा 232 के अंतर्गत (उपयोग-आधारित प्रावधानों के अनुसार) 28.30 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शून्य पारस्परिक शुल्क लागू होगा तथा पूर्व में लगाए गए अतिरिक्त शुल्क समाप्त किए जाएंगे। समष्टिगत रूप से ये उपाय अमेरिकी बाजार में उच्च शुल्क का सामना कर रहे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में भारतीय निर्यातकों को तुलनात्मक लाभ प्रदान कर सकते हैं, जिससे चयनित क्षेत्रों में मूल्य प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

यह समझौता कुछ विशिष्ट वस्तुओं पर चरणबद्ध रूप से शुल्क समाप्ति का प्रावधान करता है। क्रमिक उदारीकरण से घरेलू उत्पादकों को आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन, उत्पादन क्षमता उन्नयन और तकनीकी प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए समय मिलेगा। यह दृष्टिकोण व्यापार-समायोजन सिद्धांतों के अनुरूप है, जो क्षेत्रीय व्यवधानों को कम करने हेतु संक्रमणकालीन संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हैं। तत्काल शुल्क समाप्ति केवल गैर-संवेदनशील उत्पाद श्रेणियों तक सीमित है, जिनमें से अनेक पहले से अन्य व्यापार समझौतों के अंतर्गत उदारीकृत हैं। इससे स्पष्ट होता है कि समझौता उदारीकरण और घरेलू संरक्षण के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है।

व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण से यह समझौता अमेरिका के साथ भारत के व्यापार अधिशेष को सुदृढ़ करने में सहायक हो सकता है। हालिया वित्तीय विश्लेषणों के अनुसार, निर्यात विस्तार और आयात लोच के आधार पर यह अधिशेष संभावित रूप से प्रतिवर्ष 90 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकता है। तथापि, ऐसे अनुमान वैश्विक मांग, विनिमय दर स्थिरता और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता जैसे कारकों पर निर्भर रहेंगे।

तत्काल व्यापारिक प्रभावों से परे, यह समझौता वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण के व्यापक आयामों को भी प्रभावित करता है। विस्तारित बाजार पहुंच को चयनित घरेलू संरक्षण उपायों के साथ संयोजित कर भारत स्वयं को उच्च-मूल्य विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकी तंत्रों में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करने का संकेत देता है। इस संदर्भ में भारत की "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" पहलों तथा अमेरिका की औद्योगिक नीतिगत प्राथमिकताओं के बीच अभिसरण को पूरक आर्थिक राष्ट्रवाद के एक मॉडल के रूप में देखा जा सकता है-जहाँ घरेलू क्षमता निर्माण और रणनीतिक अंतरराष्ट्रीय साझेदारी सह-अस्तित्व में रहते हैं।

महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के संयुक्त विकास और विनिर्माण में भारत की बढ़ती भूमिका इस व्यापक रणनीतिक साझेदारी के आर्थिक आयाम को और सुदृढ़ करती है। दोनों देशों के बीच आर्थिक पारस्परिकता रक्षा सहयोग, डिजिटल शासन और बहुपक्षीय मंचों (जैसे क्वाड) के साथ भी अंतर्संबद्ध होती जा रही है।

इतिहास वैश्विक व्यापार प्रणालियों में खुलेपन के महत्व को रेखांकित करता है। 1930 के स्मूट-हॉले टैरिफ अधिनियम को अक्सर इस उदाहरण के रूप में उद्धृत किया जाता है कि किस प्रकार संरक्षणवादी नीतियाँ वैश्विक आर्थिक संबंधों को बाधित कर सकती हैं। तत्पश्चात राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट के काल में अमेरिकी नीति-परिवर्तन ने इस तथ्य को स्वीकार किया कि बाधित व्यापार मार्गों को पुनर्स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है। ये ऐतिहासिक अनुभव आज भी व्यापार लचीलापन और रणनीतिक परस्पर निर्भरता पर चल रही समकालीन बहसों को प्रभावित करते हैं।

भारत-संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार समझौता एक संरचित और नियम-आधारित ढाँचे के अंतर्गत आर्थिक सहयोग को संस्थागत रूप देने का प्रयास है। टैरिफ बाधाओं में कमी, क्षेत्रीय एकीकरण को प्रोत्साहन तथा दीर्घकालिक आर्थिक उद्देश्यों के संरेखण के माध्यम से यह समझौता सतत द्विपक्षीय विकास में योगदान दे सकता है। हालांकि, इसका अंतिम प्रभाव क्रियान्वयन तंत्र, क्षेत्रीय अनुक्रियाशीलता और परिवर्तित होती वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

मल्ल राजवंश के भव्य राजदरबार में विराजेगे बाबा खाटू नरेश

महाराजा अग्रसेन पार्क में 20 फरवरी से लगेगा जमघट म्हारे श्याम का

44वें श्याम निशानोत्सव में जयपुर, कोलकाता एवं रांची के गायक भजन सरिता बहाएंगे

लखनऊ। श्री श्याम ज्योत मंडल की ओर से 44वां श्री श्याम निशानोत्सव ऐशबाग स्थित तिलकनगर के महाराजा अग्रसेन पार्क में धूमधाम से मनाया जाएगा। जमघट म्हारे श्याम का थीम पर आधारित तीन दिवसीय श्याम निशानोत्सव 20 फरवरी से शुरू होगा। श्याम निशानोत्सव के शुरूआती दो दिन नामचीन भजन गायक सुंदर-सुंदर भक्तिमय भजनों की सरिता बहाएंगे और तीसरे दिन सतरंगी ध्वजा शोभायात्रा निकाली जाएगी। 20 फरवरी को जयपुर के संजय पारीक, कुमार नरेंद्र, नवीन शर्मा, रोहित शर्मा, रांची की पूजा पारीक और 21 फरवरी

को कोलकाता के संजय शर्मा, लव अग्रवाल, अरविंद सहल एवं कानपुर के कुमार मुकेश बाबा श्याम का गुणगान करेंगे। इस बार श्री श्याम ज्योत मंडल सदस्यगण राजस्थानी पगड़ी में नजर आएगे। इस बात की जानकारी प्रेसवार्ता में मंडल समिति के अध्यक्ष श्रवण कुमार, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल और मीडिया प्रभारी अनुपम मित्तल ने संयुक्त रूप से दी। संरक्षक भारत भूषण, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल और सुरेश कंछल ने बताया कि इस बार मल्ल राजवंश के काल की प्रसिद्ध बिष्णुपुर टेराकोटा वाले भव्य पंडाल में बाबा श्याम का राजदरबार सजाया जाएगा। पंडाल की बनावट 'रंगा माटीर बांग्ला' जैसे विषयों से प्रेरित होगी, जहां बंगाल की लाल मिट्टी और प्राचीन मंदिर वास्तुकला को एक आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया जाएगा। पंडाल में टेराकोटा नक्काशी का उपयोग किया जाएगा। बाबा का राजदरबार बिष्णुपुर की विशिष्ट 'रासमंच' और 'पंचरत्न' स्थापत्य शैलियों के सूक्ष्म विवरणों पर आधारित है, जो इस संरचना की पिरामिड जैसी बनावट और बहुस्तरीय मीनारों में स्पष्ट रूप से दिखाई देगी। भव्य श्याम दरबार का निर्माण कार्य गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर कोलकाता के असीम मात्या करेंगे। टेंट का कार्य राम कृष्ण टेंट एवं अवस्थी लाइट एंड सांउड बाबा के चरणों में अपनी सेवा समर्पित कर रहे है। कानपुर के बाजोरिया जी से श्याम निशान बनाये गए है एवं दिल्ली से सचिन जी खाटू नरेश की छवि लाएंगे। मुकेश अग्रवाल एवं मनीष अग्रवाल ने बताया कि 22फरवरी को श्री श्याम सतरंगी ध्वजा यात्रा तिलकनगर से प्रारंभ होकर बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर भक्तगण बाबा श्याम को निशान अर्पित करेंगे। निशानोत्सव एवं शोभायात्रा का सजीव प्रसारण सोशल मीडिया चैनल पर किया जाएगा। सचिन और मुकेश ने बताया कि सोमवार 23 फरवरी को बाबा श्याम का निशान लेकर बस से खाटूधाम यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां बाबा श्याम का निशान चढ़ाया जाएगा। इस प्रेसवार्ता में अध्यक्ष श्रवण अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, संरक्षक भारत भूषण, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, सुरेश कंछल, सदस्य मुकेश अग्रवाल, विवेक गोयल, योगेंद्र, सचिन, मुकेश, सक्षम, अशोक, मोती कंछल एवं मंडल समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

पीएनबी ने डीएफएस परिसर में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया

18 फरवरी 2026: सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रालय, दिल्ली में सैलरी अकाउंट फैसिलिटेशन कैंप का आयोजन किया। डीएफएस की पहल पर इस कैंप का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल पर ही निर्बाध बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराना है।

उपस्थित लोगों को माननीय डीएफएस सचिव श्री एम. नागराजू और पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने संबोधित किया। इस अवसर पर डीएफएस की संयुक्त सचिव श्रीमती शालिनी पंडित, डीएफएस के संयुक्त सचिव श्री मनोज मुत्ताथिल अय्यप्पन, डीएफएस के डीडीजी श्री चंद्रदीप कुमार झा,

पीएनबी के कार्यपालक निदेशक श्री बिभु प्रसाद महापात्र एवं डीएफएस सहित बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी की भी गरिमामयी उपस्थित रही ।

डीएफएस की पहल के तहत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए विशेष 'कस्टमाइज्ड सैलरी पैकेज' पेश किए हैं, जो केंद्र सरकार के कर्मचारियों को वित्तीय सुविधा और पारिवारिक सुरक्षा दोनों प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री एम. नागराजू ने कहा कि यह पहल केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों तक वित्तीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समन्वित प्रयासों की सराहना की और केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों से शिविर में सक्रिय रूप से भाग लेने और वेतन खाता पैकेजों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उपस्थित समूह को संबोधित करते हुए पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र ने कहा, " डीएफएस की पहल पर सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के द्वारका व्यापक 'सैलरी अकाउंट पैकेज' पेश किया जाना हर्ष का विषय है । इसे सरकारी कर्मचारियों को बैंकिंग सुविधा, वित्तीय सुरक्षा, बीमा संरक्षण और मूल्य वर्धित सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

गाजियाबाद से बांदा तक, उत्तर प्रदेश के 254 बंदी इस साल दे रहे बोर्ड एग्जाम

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की जेलों से इस बार एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो समाज के लिए उम्मीद की नई किरण पेश करती है। अपराध की दुनिया को पीछे छोड़, सुधार की राह पर चलते हुए इस साल राज्य की विभिन्न जेलों में बंद 254 कैदी यूपी बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल होने जा रहे हैं।

जेल प्रशासन की इस अनूठी पहल ने उन कैदियों को दोबारा किताबों से जुड़ने का मौका दिया है, जिन्होंने सालों पहले अपनी पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। जेल की चहारदीवारी के भीतर अब केवल सजा नहीं, बल्कि शिक्षा का भी संचार हो रहा है। प्रशासन इसे "सुधार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम" मान रहा है, जो कैदियों के मानसिक परिवर्तन और उनके पुनर्वास में मील का पत्थर साबित होगा।

परीक्षा के आंकड़े, कहां से कितने परीक्षार्थी?

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस शैक्षणिक सत्र में हाई स्कूल (कक्षा 10) के लिए 96 कैदी और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) के लिए 158 कैदी पंजीकृत हुए हैं।

विभिन्न जिलों की भागीदारी इस प्रकार है- जेल का नाम 10वीं के परीक्षार्थी 12वीं के परीक्षार्थी कुल

1. गाजियाबाद 20 43 63
2 बरेली 23 29 52
3 लखनऊ 21 18 39
4 वाराणसी 12 11 23
5 गोरखपुर 2 19 21
6 फिरोजाबाद 10 18 28
7 बांदा - 3 3

बैरकों में बदला माहौल, जेल अब बनीं अध्ययन केंद्र

जेल अधिकारियों के मुताबिक, पिछले कुछ सालों में जेलों के भीतर शैक्षणिक वातावरण को प्राथमिकता दी गई है। अब जेलों में केवल बैरक नहीं, बल्कि विशेष अध्ययन केंद्र संचालित हो रहे हैं। शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए ये व्यवस्थाएं की गई हैं-

कोचिंग और मुफ्त सामग्रीः कैदियों को विषयवार कोचिंग दी जा रही है। साथ ही, किताबें और स्टेशनरी मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है।

पीयर लर्निंगः जेल में बंद उच्च शिक्षित कैदी अपने सह-कैदियों को पढ़ाने में शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं।

आधुनिक क्लासरूमः कई जेलों में समर्पित क्लासरूम और लाइब्रेरी बनाई गई हैं।

काउंसलिंगः नियमित प्रेरक सत्र आयोजित किए जाते हैं ताकि कैदियों का नजरिया सकारात्मक हो सके।

अपराध से मुक्ति और हुनर का साथ

वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि शिक्षा कैदियों में आत्मविश्वास भरती है। रिहाई के बाद शिक्षित व्यक्ति के पास रोजगार के बेहतर अवसर होते हैं, जिससे उनके दोबारा अपराध की ओर मुड़ने की संभावना नगण्य हो जाती है।

पढ़ाई के साथ-साथ जेलों में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया जा रहा है-

बढ़ईगीरी और सिलाई
हस्तशिल्प और कलाकृतियां
फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स

पिछला ट्रैक रिकॉर्ड, 2025 में कितनों को मिली सफलता

कैदियों का पिछला प्रदर्शन यह साबित करता है कि वे पढ़ाई को लेकर गंभीर हैं। साल 2025 के आंकड़ों पर नजर डालें-

कुल 199 कैदियों ने परीक्षा दी थी।

182 कैदी सफल हुए, जिसमें कुल पास प्रतिशत 91% रहा।

10वीं का परिणाम 96.81% और 12वीं का 86.67% रहा था।

इस साल परीक्षार्थियों की संख्या में भारी वृद्धि यह दशार्ती है कि जेल अब केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार का केंद्र बन चुकी हैं।

अक्षय कुमार कहते हैं, 'मेरी पत्नी लेखिका हैं, लेकिन मैंने कभी कोई किताब नहीं पड़ी!'

मुंबईः व्हील ऑफ फॉर्च्यून का आने वाला एपिसोड सिर्फ. रोमांचक स्पिन्स ही नहीं, बल्कि दिल छू लेने वाले और मजेदार लम्हे भी लेकर आ रहा है। शो के दौरान अक्षय कुमार ने अपने पढ़ने की आदतों पर एक चौंकाने वाला खुलासा किया, जब उनकी बातचीत कंटेस्टेंट यश से हुई। अपना परिचय देते हुए यश ने अपनी ज़िंदगी को एक दिलचस्प अंदाज में समझाया। उन्होंने कहा, ह्लमेरी लाइफ भी व्हील ऑफ फॉर्च्यून के पहिए जैसी है, पहिए का कांटा कहाँ रुकेगा मुझे भी नहीं पता ह्व यश ने बताया कि वह पढ़ाई और पेशे से मरीन इंजीनियर हैं, लेकिन पिछले 10 सालों से कार्टून स्क्रिप्ट लिख रहे हैं और मुंबई इंडियंस के लिए एंकर भी हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने कई कार्टून शोज के

लिए लिखा है और रोहित शेट्टी की तीन प्रोजेक्ट्स— गोलमाल, लिटिल सिंघम और सिम्बा —के लिए भी स्क्रिप्ट लिखी है। मजाकिया अंदाज में उन्होंने जोड़ा कि अब वह सूर्यवंशी के लिए भी लिखने का इंतजार कर रहे हैं ह्लहे लिकॉप्टर पकड़ के सूर्यवंशी की एंट्री हो, मैं उसके लिए भी लिखूँ ह्व यश की जर्नी से प्रभावित होकर अक्षय ने कहा, ह्लतो मतलब आप एक राइटर हैं ह्व तभी बातचीत ने अचानक नया मोड़ लिया। अक्षय ने दिल खोलकर स्वीकार किया, ह्लआपको पता है मैंने ज़िंदगी में आज तक एक भी किताब नहीं पढ़ी है। मैं चेहरे पढ़ता हूँ। सच बताऊँ, मेरी पत्नी राइटर हैं और मुझे लगता है वो दिन में एक किताब जरूर पढ़ती हैं। बाय गॉड, मैंने एक भी किताब नहीं पढ़ी। मैंने सिर्फ. चेहरे पढ़े हैं। सच कहता हूँ, चेहरे से बढ़िया किताब कोई नहीं होती ह्व उनकी ईमानदार और मजेदार बात सुनकर सब हँसी से लोटपोट हो गए और शो में एक और यादगार पल जुड़ गया। देखिए व्हील ऑफ फॉर्च्यून, अक्षय कुमार के साथ, हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सिर्फ. सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर

पीलीभीत-69 केंद्रों पर यूपी बोर्ड परीक्षाएं शुरू,पहला पेपर हिंदी का: 41 हजार से अधिक छात्र देंगे परीक्षा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (वढ इङ्गं१) की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की वार्षिक परीक्षाएं बुधवार से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई हैं। जिले के 69 परीक्षा केंद्रों पर कुल 41,821 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। इनमें 23,241 हाईस्कूल और 18,580 इंटरमीडिएट के परीक्षार्थी शामिल हैं।

परीक्षा को नकलविहीन और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक व्यवस्था की है। पूरे जिले को 5 जोन और 14 सेक्टरों में बांटा गया है। प्रत्येक जोन में जोनल मजिस्ट्रेट और सेक्टरों में सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। सभी 69 केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी की गई है। इसके अतिरिक्त, निगरानी के लिए 5 सचल दल (फ्लाइंग स्क्वायड) लगातार केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज और सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने स्ट्रांगरूम की सुरक्षा में कोई चूक न होने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि स्ट्रांगरूम में केवल नामित मजिस्ट्रेट और केंद्र व्यवस्थापकों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। प्रवेश और निकास के समय का मिलान 'लॉगबुक' से किया जाएगा और सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे निगरानी होगी। परीक्षा से पहले ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज और रामा इंटर कॉलेज जैसे केंद्रों पर विद्यार्थियों की भीड़ देखी गई। परीक्षार्थियों ने नोटिस बोर्ड पर चस्पा सीटिंग प्लान और अनुक्रमांक सूची देखकर अपने कक्षों की स्थिति जानी। डीआईओएस राजीव कुमार ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र वितरित किए जा चुके हैं और कंट्रोल रूम को सक्रिय कर दिया गया है।

पहले दिन की परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली सुबह 8:30 बजे से हाईस्कूल हिंदी एवं प्रारंभिक हिंदी की होगी। द्वितीय पाली दोपहर 2:00 बजे से इंटरमीडिएट हिंदी की परीक्षा के लिए निर्धारित है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुचित साधनों के प्रयोग पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बजाज चीनी मिल में ट्रैक्टर चालक की मौत:शव रखकर मिल गेट पर परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

(जीएनएस)।

पीलीभीत,बरखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित बजाज चीनी मिल में बुधवार तड़के एक हादसा हो गया। मिल में बैगास (खोई) ढोने वाले ट्रैक्टर के नीचे दबने से 30 वर्षीय चालक देवेंद्र कुमार की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने मिल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव को मिल गेट पर रखकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मृतक देवेंद्र कुमार डढ़िया रांझे का निवासी था और बजाज चीनी मिल में ट्रैक्टर चालक के रूप में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह लगभग 5 बजे काम के दौरान वह ट्रैक्टर की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

परिजनों ने मिल प्रशासन पर हादसे को छिपाने का प्रयास करने का

आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मिल कर्मचारियों ने उन्हें सूचित किए बिना शव को एम्बुलेंस से पीलीभीत भेज दिया था। परिजनों को घटना की जानकारी तब हुई जब एम्बुलेंस सीधे उनके गांव पहुंची।

मिल प्रशासन द्वारा सूचना न देने और लापरवाही बरतने के आरोप में मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने चीनी मिल के मुख्य गेट पर शव रखकर मिल प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगें हैं कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, मृतक के परिवार को उचित मुआवजा मिले और हादसे के कारणों की निष्पक्ष जांच हो।

हंगामे की सूचना मिलते ही थाना अध्यक्ष प्रमेंद्र कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस फिलहाल परिजनों को शांत कराने और मिल गेट से प्रदर्शन हटवाने का प्रयास कर रही है। थाना अध्यक्ष प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है और पुलिस घटना की बारीकी से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया और परिजनों की शिकायतों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति 3.5 के तहत महिला थाना टीम ने बालिकाओं-महिलाओं को दिया अपराधों का जागरूकता संदेश

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के सख्त निदेर्शों पर मिशन शक्ति 3.5 अभियान को जोरदार तरीके से चलाया जा रहा है। इस कड़ी में महिला थाना पुलिस टीम ने थाना क्षेत्रांतर्गत व्यापक भ्रमण किया तथा बालिकाओं और महिलाओं को महिला संबंधी अपराधों तथा साइबर क्राइम की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

टीम ने घर-घर जाकर जागरूकता फैलाई, जिससे क्षेत्र की महिलाओं में सुरक्षा के प्रति उत्साह दिखा।

महिला थाना प्रभारी ने बताया कि मिशन शक्ति 3.5 का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें संभावित खतरों से अवगत कराना है। टीम ने पीड़ित महिलाओं को तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 और 181 पर कॉल करने की सलाह दी। साइबर अपराधों के खिलाफ विशेष रूप से फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सोशल मीडिया पर छेड़छाड़ जैसे मामलों पर फोकस किया गया।

भ्रमण के दौरान दर्जनों बालिकाओं और महिलाओं ने पुलिस टीम को धन्यवाद दिया तथा अपनी सुरक्षा के लिए आगे भी सहयोग का भरोसा जताया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह अभियान निरंतर चलेगा तथा थाना क्षेत्र के हर कोने तक पहुंचेगा। इससे न केवल अपराधों में कमी आएगी बल्कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की तथा पुलिस से और ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की मांग की।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समितिर् (आईडीसीसी) की प्रथम बैठक संपन्न

जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 22 मई से 20 जून, 2026 के मध्य पूरा किए जाने के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

बाराबंकी, 18 फरवरी। बुधवार को शशांक त्रिपाठी, प्रमुख जनगणना अधिकारी / जिलाधिकारी, बाराबंकी महोदय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में "जिला स्तरीय जनगणना समिति" (IDCC) की प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी भारत की जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी (प्रमुख जनगणना अधिकारी) द्वारा अवगत कराया गया कि भारत की जनगणना-2027 का कार्य पूर्णतया मोबाइल ऐप (ल्छड/ढए) एवं उटटर पोर्टल के माध्यम से सम्पन्न किया जाएगा। इस डिजिटल प्रक्रिया को त्रुटिहीन बनाने के लिए सभी

पदाधिकारियों को तकनीक के उपयोग हेतु सजग रहने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 22 मई से 20 जून, 2026 के मध्य पूरा किए जाने हेतु जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य हेतु तैनात किए जाने वाले 03 मास्टर ट्रेनर्स एवं 110 फील्ड ट्रेनर्स चयन कर जनगणना कार्य निदेशालय को भेजी जा चुकी है तथा प्रगणकों व पर्यवेक्षकों की सूची को अनिवार्य रूप से पहले से ही डिजिटल संधारण कर लिया जाए, जिससे जनगणना के उटटर पोर्टल पर जनगणना पदाधिकारियों के डाटाबेस को अपलोड करने की प्रक्रिया त्वरित और सुगम हो सके। समिति की बैठक का संचालन एवं समन्वय अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) जिला जनगणना अधिकारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनगणना कार्य निदेशालय की टीम के मंडल प्रभारी कपिल कुमार पाण्डेय, सहायक निदेशक जनगणना और जिले के प्रभारी सहायक निदेशक जनगणना अजय सिंह भारती, जिला प्रभारी जनगणना द्वारा भारत की जनगणना 2027 विषय पर विस्तार से प्रस्तुति भी दी गयी। इस बैठक में अन्ना सुदन, मुख्य विकास अधिकारी, निरंकार सिंह, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), अपर पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी, जिला पंचायत राज अधिकारी, अर्थ एवं संख्या अधिकारी एवं जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी एवं सभी चार्ज अधिकारी उपस्थित रहे।

पशु चिकित्सा वैज्ञानिकों ने किया बीसलपुर के परिषदीय छात्रों का उन्मुखीकरण

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत विकास खंड बीसलपुर के परिषदीय विद्यालयों के कक्षा 6 से 8 के 100 छात्रों को ब्लॉक संसाधन केंद्र, बीसलपुर से आईवीआरआई, इज्जतनगर बरेली, साइंस एक्सपोजर विजिट हेतु ले जाया गया। संस्थान में विभिन्न शोध विभागों के वैज्ञानिकों ने छात्रों को पशु शरीर संरचना एवं पोषण विज्ञान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

छात्रों को वैज्ञानिकों द्वारा पशु शल्य चिकित्सा विज्ञान संस्थान, पशु शरीर रचना विज्ञान केंद्र, वन्य प्राणी उद्यान, हाईटेक मॉड्यूलर लैब, संस्थान के म्यूजियम के साथ ही इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप प्रयोगशाला का भी भ्रमण करवाया गया।

विकास खण्ड बीसलपुर के खण्ड शिक्षा अधिकारी, डॉ. हर्षित शर्मा ने छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने हेतु व्याख्यान श्रृंखला आयोजित की, जिसमें विषय विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए।

बच्चों में जिज्ञासा और रचनात्मकता की भावना, विज्ञान के प्रति रुचि और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एआरपी डॉ. तुषार अरोड़ा ने छात्रों को संस्थान में गतिमान शोधों से परिचित करवाया। साथ ही भविष्य में पशु चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में करियर के अवसरों के बारे में बताया। विजिट में एआरपी प्रवीण कुमार, गेंदन लाल, भारतेन्दु कुमार एवं शिक्षक प्रदीप गंगवार, श्रवण कुमार, शैलजा कुमारी, अंशुल, राम निवास, कल्पना गंगवार, रेनू, आकांक्षा अग्रवाल, सीमा कुमारी, ऋतु, सिद्धार्थ प्रताप सिंह, आशुतोष, धनंजय दीक्षित आदि का विशेष सहयोग रहा।

गैंगस्टर एक्ट में अभियुक्त को 3 साल 6 माह की सजा, 5 हजार रुपये अर्थदंड

(जीएनएस)।

बरखेड़ा/पीलीभीत। थाना बरखेड़ा पुलिस की प्रभावी पैरवी और साक्ष्यों के आधार पर माननीय न्यायालय ने गैंगस्टर एक्ट के एक मामले में अभियुक्त को दोषी करार देते हुए 3 वर्ष 6 माह के कारावास और 5,000 रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।

पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दिनांक 20 जुलाई 2022 को थाना बरखेड़ा में मु.अ.सं. 298/2022 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले की गहन

विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलित कर अभियुक्त के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया गया।

अभियुक्त राजू उर्फ राजवीर पुत्र रामदास निवासी ग्राम विजईपुर, थाना क्योलड़िया, जनपद बरेली के विरुद्ध माननीय न्यायालय अरख (गैंगस्टर एक्ट/पॉक्सो)-1, पीलीभीत में विचारण चला। पुलिस की सशक्त पैरवी एवं प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर दिनांक 18 फरवरी 2026 को न्यायालय ने अभियुक्त को धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में दोषसिद्ध पाते हुए 3 वर्ष 6 माह का कठोर कारावास तथा 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और दोषियों को सजा दिलाने के लिए प्रभावी पैरवी की जाती रहेगी।

पीलीभीत: प्रेम प्रसंग में युवक-किशोरी ने खेत में जहर खा लिया, जिला अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

(जीएनएस)।

पीलीभीत के सेहरामऊ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक और किशोरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों गांव के बाहर खेत में बेसुध मिले, जिन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया है। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति चिंताजनक बताई है।सेहरामऊ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक और किशोरी के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों गांव

के बाहर एक खेत में पहुंचे और संदिग्ध परिस्थितियों में जहर सेवन कर लिया। जहर का असर होते ही दोनों छटपटाने लगे। पास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने उन्हें देखा और परिजनों व पुलिस को सूचना दी।सेहरामऊ थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने 108 एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले जाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रतीक दहिया ने अस्पताल जाकर डॉक्टरों से इलाज की जानकारी ली और परिजनों से पूछताछ की।जिला अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, दोनों ने घातक जहर लिया है, जिससे उनके शरीर के अंग प्रभावित हो गए हैं। फिलहाल उन्हें ऑब्जर्वेशन में रखा गया है। पुलिस ने कहा कि जांच पूरी होने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दो बाइकों की भिड़ंत में पांच घायल: गजरौला के शिवनगर मार्ग पर हादसा, पुलिस ने जब्त कीं दोनों बाइकें

(जीएनएस)।

पीलीभीत,नेशनल हाईवे लिंक मार्ग पर शिवनगर मार्ग पर एक सड़क हादसा हुआ। गजरौला कस्बे में थाने के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना शिवनगर मार्ग पर हुई। एक मोटरसाइकिल पर रामसेवक, दिनेश और धर्मवीर सवार थे, जो गजरौला से अपने गांव बिधिपुर जा रहे थे। सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल पर दियोरा निवासी राजाराम और उनका पुत्र अर्जुन सवार थे। दोनों मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं।

टक्कर इतनी भीषण थी कि पांचों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना गजरौला पुलिस को दी गई।

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ग्रामीणों और एंबुलेंस की सहायता से सभी पांच घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया है। गजरौला पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिलों को अपने कब्जे में ले लिया है।

उन्नाव क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत

(जीएनएस)।

उन्नाव। उन्नाव क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक पंकज की मौत हो गई। यह घटना बुधवार दोपहर बांगरमऊ-संडीला मार्ग पर आरएस चौराहे के पास हुई। मृतक के बड़े भाई की 20 फरवरी को शादी होनी थी, जिससे परिवार में खुशियों का माहौल मातम में बदल गया पुलिस के अनुसार, बांगरमऊ कोतवाली के शीतलगंज निवासी पंकज पुत्र लालता प्रसाद अपने एक साथी के साथ बाइक से आरएस चौराहे गया था। लौटते समय आरएस चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के पास एक ईंट से भरे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में पंकज गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि उसका साथी मामूली रूप से चोटिल हुआ। आसपास के लोगों ने दोनों घायलों को बांगरमऊ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने पंकज को मृत घोषित कर दिया। पंकज की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक छा गया। परिजन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को अस्पताल से घर ले गए पंकज अपने तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था। उसके बड़े भाई विमल की 20 फरवरी को शादी तय थी, जिसके लिए पूरा परिवार घर पर ही मौजूद था। पंकज फरीदाबाद में रहकर मजदूरी करता था। मृतक के घायल साथी ने बताया कि घटना के समय बाइक तेज रफ्तार में थी। बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है सूचना मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।